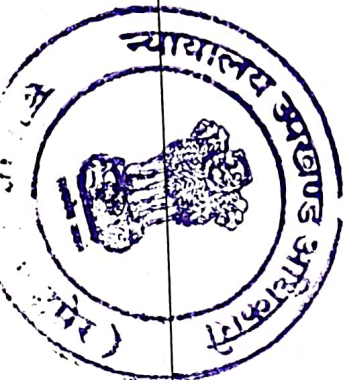


28.7.23

पत्रावली पेश हुई। वकील जर्वाल उपस्थित।
जवाब सरकार प्राप्ता। वकील जर्वाल की
बहस सुनी गयी। वकील जर्वाल ने अपनी
बहस में निवेदन किया कि वाइसराय आरजी
जर्वाल व अजर्वालगण की सहकारिता की
शक्ति है। अजर्वालगण आने दिन जर्वाल के
दिल्ली की शक्ति के कब्जे - कानून में बंधा
उत्पन्न करते हैं। अतः दिनांक 24-3-2021
को जारी अस्थायी निवेधानों को कन्फर्म किया
जावे। परीक्षा सरकार ने अपने जवाब में
ही बहस के तबिय समझे जाते हेतु
निवेदन किया। वकील जर्वाल की बहस एवं पत्रावली
के उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर अस्थायी
निवेधानों के तीन बिन्दु प्रथम दृष्टया मामला,
सुविधा का संतुलन एवं अपूरण्य क्षति जर्वाल के
पक्ष में सिद्ध होत है। अतः जर्वाल वरत प्राप्त
पार्वना-पत्र अंतर्गत 211-212 राजस्वात
कार्यकारी अधिनियम 1955 का स्विकार योग्य





घोरे के कारण स्वीकार किया जाता है तथा
पूर्व में दिनांक 24-3-2021 को जारी अस्थाई
निषेधाज्ञा को कंफर्म किया जाता है।

पतावली फेलन शुभारंभ दौर दर्ज नम्बर से को
घोरा शामिल दफ्तर था।

निर्णय आल दिनांक 28-7-2023 को घरे वधारा निरखाया
जाकर लरे इललाल सुनाया गया।

28/7/23

उपखण्ड अधिकारी
रूपनगढ़ (अजमेर)